गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 29 | गोरखपुर रविवार 11 जनवरी 2026 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

न्यूज

तुर्कमान गेट पथराव मामला दिल्ली पुलिस ने की तीन और लोगों की गिरफ्तारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट इलाके में हुई पथराव की घटना के सिलसिले में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनके नाम मोहम्मद नावेद (44), मोहम्मद फैज (20), मोहम्मद उबैदुल्लाह (23), मोहम्मद आरिब (25), मोहम्मद काशिफ (25), मोहम्मद कैफ (23), मोहम्मद अदनान (37), समीर हुसैन (40), मोहम्मद अतहर (20), शहनवाज आलम (55), मोहम्मद इमरान (28), मोहम्मद इमरान उर्फ राजू (36), मोहम्मद अफ्फान (20), मोहम्मद आदिल (20), मोहम्मद आमिर हमजा (22) और मोहम्मद उबैदुल्लाह (26) हैं।

ओडिशा के राउरकेला में विमान हादसा

एजेंसी

राउरकेला। ओडिशा के राउरकेला हवाई पट्टी से लगभग नौ किलोमीटर दूर एक छोटे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद लैंडिग कराई गई है। पायलट को गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुल छह लोग घायल हुए हैं। तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया, जिससे सभी को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष को हार्ट अटैक ,लखनऊ के अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

बाराबंकी(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राम सिंह उर्फ भुल्लन वर्मा को देर रात अचानक हार्ट अटैक आ गया। हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल लखनऊ के लारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, उनकी तबीयत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। चिकित्सकों की एक टीम उनके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी कर रही है और आवश्यक जांच व उपचार में जुटी है। भुल्लन वर्मा मूलरूप से जैदपुर विधानसभा क्षेत्र के मसौली गांव के निवासी हैं।

बस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मारी

बाराबंकी(संवाददाता)। फतेहपुर थाना क्षेत्र में शनिवार शाम बसरा गांव के पास एक सड़क हादसा हुआ। पुआल लादकर रिलायंस फैक्ट्री जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रही रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे में रामनगर थाना क्षेत्र के महार गांव निवासी 51 वर्षीय नौमी लाल और देवा थाना क्षेत्र के रंडवारा निवासी 22 वर्षीय दीपू गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही फतेहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

जयपुर में शाह ने 9000 कॉन्स्टेबल को नियुक्ति पत्र दिए

इनको सिफारिश नहीं योग्यता से नियुक्ति मिली

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जयपुर में 9000 नव नियुक्त कॉन्स्टेबल को नियुक्ति पत्र दिए। राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने राम राम से भाषण की शुरूआत की। उन्होंने कहा आज 9000 कॉन्स्टेबलों को किसी सिफारिश नहीं अपनी योग्यता से नियुक्ति मिली है। कोई राज्य तभी आगे आ सकता है जब नियुक्ति पारदर्शिता से की हो। भजनलाल ने कांग्रेस सरकार का पेपर लीक का सिलसिला खत्म कर उससे निजात दिलाई है। इस दौरान चूरू के रतन नगर पुलिस थाने को सर्वश्रेष्ठ थाने का पुरस्कार मिला। इससे पहले जोधपुर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा माहेश्वरी समाज जॉब सीकर नहीं रहा, जॉब

क्रिएटर रहा है। ऐसे ही सदियों तक यह समाज देश की सेवा करता रहे। राम मंदिर पर पुस्तक लिख रहा युवक मेरे पास आया। मैंने उससे पूछा कि तुम्हारे पास क्या जानकारी है? उसने बताया कि आजादी के बाद राम मंदिर के लिए सबसे पहले प्राणों की आहूति देने वाले दोनों भाई माहेश्वरी समाज से थे।

हिजाब पहनने वाली बेटी एक दिन भारत की प्रधानमंत्री बनेगी, यह मेरा सपना है: असदुद्दीन ओवैसी

एजेंसी

नयी दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि हिजाब पहनने वाली महिला एक दिन भारत की प्रधानमंत्री बनेगी। महाराष्ट्र के सोलापुर में जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, श्पाकिस्तान के संविधान में लिखा हुआ है कि सिर्फ एक ही मजहब

का आदमी प्रधानमंत्री बन सकता है। बाबा साहब आंबेडकर का जो संविधान है, वो कहता है कि भारत का कोई भी नागरिक वजीर-ए-आजम बन सकता है। असदुद्दीन ओवैसी का ख्वाब ये है कि एक दिन आएगा जब हिजाब पहनने वाली बेटी इस देश की वजीर-ए-आजम बनेगी। भले हम और आप रहें या ना रहें। ऐसा हो सकता है कि तब तक जमीन में हमारी हड्डियां भी गुम जाएंगी।

100 करोड़ की साइबर ठगी का भंडाफोड़

चीन, नेपाल और पाकिस्तान कनेक्शन वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह के 7 गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने साइबर क्राइम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय साइबर सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह के तार चीन, नेपाल, कंबोडिया, ताइवान और पाकिस्तान से जुड़े पाए गए हैं। इस मामले में सात जालसाजों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक ताइवानी नागरिक भी शामिल है। यह गिरोह सिम बाक्स के जरिए देशभर में साइबर ठगी को अंजाम दे रहा था। इस सिंडिकेट के जरिए करीब 20 हजार फोन नंबर ऑपरेट हो रहे थे। अब तक एक हजार से ज्यादा शिकायतें सामने आई हैं। शुरूआती जांच में करीब 100 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का पता चला है। यह गिरोह पीड़ितों पर पहलगाम और दिल्ली विस्फोट जैसे आतंकी हमलों में शामिल होने का झूठा आरोप लगाते थे और तत्काल गिरफ्तारी की धमकी देते हुए डिजिटल अरेस्ट कर मानसिक दबाव बनाकर उनसे मोटी रकम ट्रांसफर करते

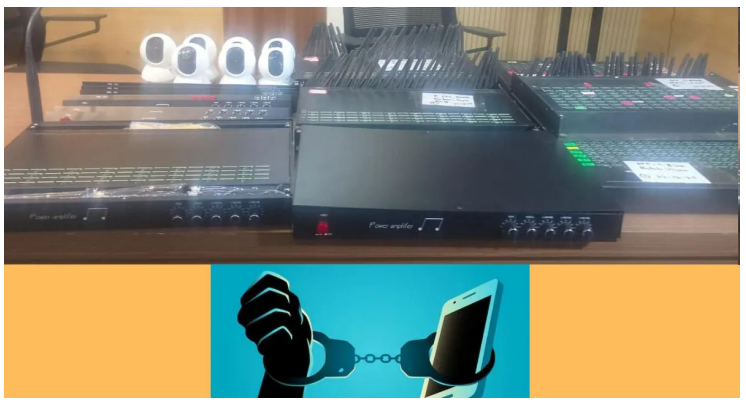

थे। इनके कब्जे से 22 सिम बाक्स, आठ मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप, सात सीसीटीवी कैमरे, पांच राउटर, तीन पासपोर्ट, 10 भारतीय सिम और 120 चीन के विदेशी सिम बरामद हुए हैं। आईएफएसओ के पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार के मुताबिक, बीते वर्ष सितंबर माह से देशभर में पीड़ितों को यूपी एटीएस के अधिकारियों का रूप धारण करने वाले धोखेबाजों के की कॉल्स मिलीं। इन शिकायतों पर अक्टूबर में आईएफएसओ यूनिट ने जांच संभाली। तकनीकी विश्लेषण में पता चला कि आरोपित कॉल को जान-बूझकर 2जी नेटवर्क पर रूट कर रहे थे ताकि लोकेशन ट्रैक न हो सके। सिम बॉक्स सिस्टम के जरिए विदेशी कॉल्स को भारतीय लोकल नंबरों की तरह दिखाया जा रहा था। ये कॉल मुख्य रूप से कंबोडिया से आ रही थीं। जांच में यह भी सामने आया कि क्वेक्टेल कंपनी के सिमबॉक्स डिवाइस में आईएमईआई नंबर ओवरराइट और रोटेट किए जा रहे थे, जिससे एक ही नंबर अलग-अलग शहरों से एक्टिव दिखता था। इसके बाद एसीपी विजय गहलावत की देखरेख में गठित विशेष टीम ने दिल्ली के गोयला डेरी इलाके में पहला सिम बॉक्स ठिकाना चिन्हित किया। एक महीने की गुप्त निगरानी के बाद दिल्ली के पांच स्थानों गोयला डेरी, कुतुब विहार, दीनपुर और शाहबाद डेरी से ऑपरेशन का भंडाफोड़ हुआ।

किसी देश का मनोबल तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं युद्ध : डोभाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शनिवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (बीवाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में युवाओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने भारत के भविष्य, नेतृत्व, शक्ति, आत्मविश्वास और ऐतिहासिक अनुभवों पर विस्तार से बात की। डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, अगर यह इसी तरह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी भारत का विकसित राष्ट्र बनना तय है। डोभाल ने कहा कि युद्ध राष्ट्र की इच्छाशक्ति के लिए लड़े जाते हैं। हम साइकोपैथ (मनोरोगी) नहीं हैं, जिन्हें दुश्मन के शव या कटे हुए अंग देखकर संतोष या सुकून मिले। लड़ाइयां इसके लिए नहीं लड़ी जाती। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी देश का मनोबल तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं, ताकि वह हमारी शर्तों पर आत्मसमर्पण करें और हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकें।कार्यक्रम की शुरूआत में अजीत डोभाल ने बेहद सादगी और आत्मीयता के साथ युवाओं से खुद को जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उनका कार्यक्षेत्र और अनुभव युवाओं से काफी अलग है और उम्र का अंतर भी बहुत बड़ा है। डोभाल ने कहा, आपमें से अधिकांश मुझसे 60 साल से ज्यादा छोटे हैं। मेरा जन्म स्वतंत्र भारत में नहीं, बल्कि आजादी से पहले हुआ था। मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी है। इसलिए मैं यह सोचकर असमंजस में था कि यहां आऊं या नहीं। उन्होंने स्वीकार किया कि आज के बदलते दौर में तकनीक, सोच और जीवनशैली इतनी तेजी से बदल रही है कि वह सब कुछ जानने का दावा नहीं कर सकते, लेकिन कुछ मूल बातें ऐसी हैं, जो हर पीढ़ी को जोड़ती हैं।युवाओं को संबोधित करते हुए एनएसए डोभाल ने निर्णय लेने की क्षमता को जीवन का सबसे

अहम कौशल बताया। उन्होंने कहा कि चाहे समय बदले या तकनीक, इंसान के फैसले ही उसकी पहचान बनाते हैं। उनके शब्दों में, एक छोटी सी बात है जो आपके पूरे जीवन की दिशा तय करती है,आपकी निर्णय लेने की क्षमता। आप रोज छोटे-बड़े फैसले लेते हैं। जैसे-जैसे आपकी उम्र और जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, फैसलों का महत्व और बढ़ता जाएगा। डोभाल ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत के भविष्य को लेकर उन्हें किसी तरह का संदेह नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत विकसित होगा, यह निश्चित है। इस पर कोई सवाल नहीं है।अपने संबोधन में अजीत डोभाल ने वैश्विक हालात और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में चल रहे अधिकांश युद्ध और टकराव इस बात का नतीजा हैं कि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं। डोभाल ने कहा, अगर आप शक्तिशाली हैं, तो आप स्वतंत्र रहेंगे। लेकिन अगर आत्मविश्वास नहीं है, तो आपकी सारी शक्ति, हथियार और संसाधन बेकार हैं। उन्होंने भारत के वर्तमान नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश को ऐसा नेतृत्व मिलना सौभाग्य की बात है, जिसकी प्रतिबद्धता, समर्पण और कड़ी मेहनत पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा है डोभाल ने नेतृत्व के महत्व को समझाने के लिए फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट का उदाहरण दिया।

संपूर्ण हिंदू समाज एक है कोई भेदभाव नहीं : भगवत

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार

को मथुरा के वृंदावन में आयोजित सनातन संस्कृति महोत्सव में भाग लेते हुए हिंदू समुदाय में एकता का आह्वान किया और कहा कि किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। समारोह को संबोधित करते हुए भगवत ने कहा कि भले ही दुनिया हिंदू समुदाय को जाति, धर्म, संप्रदाय और भाषा के आधार पर विभाजित देखती हो, लेकिन वे सभी एक हैं। भगवत ने कहा कि किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। हम जिस समाज में रहते हैं उसे एक मानते हैं; हमारा मानना है कि पूरा हिंदू समाज एक है, फिर भी दुनिया इसमें भाषा, जाति, संप्रदाय और समुदाय जैसे कई विभाजन देखती है। दुनिया जितने प्रकार के हिंदुओं को पहचानती है, मेरे उन सभी प्रकारों के मित्र हैं - हम एक-दूसरे से मिलने जाते हैं।

सम्पादकीय...

एक बेतुका आदेश

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निदेर्शों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर-शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे-बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर-शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर-शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी। खासकर तब जब आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं और रेबीज से होने वाली जीवन क्षति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में नगर निगम के आदेश की तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

राशिफल

मेषः- आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

वृषभः- मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुनः- लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्कः- कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंहः- आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्याः- आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुलाः- व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिकः- आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनुः- आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकरः- व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभः- आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीनः- गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें।

ट्रंप, मादुरो और मोदी बनाम राजा की शान

सर्वमित्रा सुरजन

रिलायंस किस देश से कितना तेल खरीदता है यह आमतौर पर ऐसा विषय नहीं है, जिसकी खबर में आम जनता की दिलचस्पी हो। फिर भी रिलायंस इंडस्ट्रीज को यह सफाई पेश करने की जरूरत क्यों पड़ी, यह सोचने वाली बात है। क्या यह सफाई मोदी के हेडमास्टर की तरह व्यवहार कर रहे डोनाल्ड ट्रंप के लिए पेश की गई है। ध्यान रहे कि जब डोनाल्ड ट्रंप का शपथग्रहण समारोह हुआ था और एस जयशंकर को संभवतः न्यौते के जुगाड़ के लिए पहले से अमेरिका भेजा गया था। न्यूयार्क सिटी की अदालत में जज एल्विन हेलरस्टीन ने निकोलस मादुरो पर मुकदमा शुरू करने से पहले अपनी पहचान बताने कहा, तो बेड़ियों से जकड़े मादुरो ने शांत होकर जवाब दिया, मैं निकोलस मादुरो हूं। मैं वेनेजुएला गणराज्य का राष्ट्रपति हूं और तीन जनवरी से यहां अगवा होकर रखा गया हूं। मुझे वेनेजुएला में कराकास से मेरे घर से पकड़ा गया। मादुरो ने यह भी कहा कि 'मैं निर्दोष हूं। मैं एक सभ्य इंसान हूं।' सिकंदर और पोरस के बीच किस तरह का संवाद हुआ, इसका जिक्र केवल इतिहास में पढ़ा है। अब उसकी प्रत्यक्ष मिसाल देख ली। 326 ईसा पूर्व में झेलम नदी के किनारे सिकंदर और पोरस के बीच युद्ध हुआ जिसमें पोरस की हार हुई। पोरस को बंदी बनाने के बाद सिकंदर ने पोरस से पूछा कि उनके साथ किस तरह का सुलूक किया जाए। पोरस ने तुरंत जवाब दिया, 'जो एक राजा दूसरे राजा के साथ करता है।' इस जवाब से प्रभावित सिकंदर ने न केवल पोरस को युद्धक्षेत्र से जाने दिया, बल्कि उसकी जमीन भी उसे वापस कर दी। इस ऐतिहासिक संवाद का मर्म यही है कि राजा की आन, बान और शान उसकी सैन्य शक्ति, राज्य के क्षेत्रफल या धनसंपदा से नहीं बल्कि उसके नैतिक बल से कायम रहती है। अब राजशाही का जमाना नहीं है, लेकिन शासन चलाने के लिए शासन प्रमुख में साहस और नैतिक बल की दरकार तो शाश्वत है। इसके बिना न राजा का सम्मान रहता है, न उसके राज्य का। पोरस की शान आज तक बरकरार है, हम नहीं जानते कि मादुरो के साथ ट्रंप क्या सलूक करेंगे, लेकिन उन्होंने दुनिया में अपनी शान दिखा दी है। इस बीच ट्रंप का बड़बोलापन जारी है और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर उन्होंने नया बयान दे दिया है। इस बार डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मुलाकात करनी चाही थी और पूछा था कि 'सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं। मैंने हां कहा क्योंकि मेरे उनके साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं।' नरेन्द्र मोदी की अपनी शान का तो पता नहीं, लेकिन आजादी के बाद से अब तक अमेरिका के आगे न झुककर और उसकी घुड़कियों पर तुर्की ब तुर्की जवाब देकर जो शान भारत ने कमाई थी, मोदी उसे पूरी तरह मटियामेट करने पर तुल गए हैं। विपक्ष जाहिर तौर पर मोदी से जवाब मांग रहा है कि कम से कम अब तो कुछ कहिए। लेकिन मोदी ने न पहले कुछ कहा और न अब कुछ कहेंगे। बराक ओबामा को तो मोदी ने सबके सामने बराक कहकर बुलाया था, लेकिन ट्रंप को क्या अकेले में भी मोदी ने सर कहकर संबोधित किया, यह सोचने वाली बात है। हालांकि न ट्रंप ने पहली बार मोदी के नाम पर भारत का अपमान किया है और न मोदी ने पहली बार चुप्पी साधी है। दरअसल 11 सालों के शासन में नरेन्द्र मोदी ने यह जाहिर कर दिया है कि उन्हें भारत के इतिहास, संस्कृति, लोकतंत्र, संविधान, राजनैतिक मयार्दा और परंपराओं की कोई फिक्र नहीं है। उन्हें केवल अपनी सत्ता से मतलब है और वो भी इसलिए ताकि उसके जरिए

पूंजीपतियों का हितसाधन हो सके। 2014 से पहले भारत में यूपीए सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का जो काम किया गया और उस बीच अचानक नरेन्द्र मोदी को गुजरात से उठाकर दिल्ली की गद्दी पर बिठाने की रणनीति बनाई गई, तब से लेकर अब वेनेजुएला में निकोलस मादुरो का अपहरण और तख्ता पलट तक राजनीति की पहेली के टुकड़े बिखरे हुए हैं, इन्हें समेटे और एक सिरे से दूसरे सिरे को मिलाएं तो सत्ता को नियंत्रित करते पूंजीवादी गठजोड़ की तस्वीर बनती है। डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में जो काम पूरा नहीं कर पाए, उसे इस कार्यकाल में जल्दी से जल्दी निबटाना चाहते हैं। इसलिए सत्ता संभालते ही ट्रंप ने टैरिफ लगाने से लेकर तीसरी दुनिया के देशों पर अमेरिका का दबदबा थोपने का काम नए सिरे से शुरू किया। पाकिस्तान तो शुरू से अमेरिका के कदमों में बिछा हुआ है। अब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारत को भी ऐसा ही करने पर मजबूर कर रही है। क्योंकि तेल के व्यापार पर नियंत्रण और उसके जरिए डॉलर की बादशाहत बनाने का जो खेल अमेरिका 80 के दशक से तेज कर चुका है, अब भारत में अंबानी जैसे व्यापारियों का हित भी उसी से जुड़ा है। मोदी और अंबानी, अंबानी और ट्रंप, रूस और अंबानी के बीच तेल सौदा, इन सबसे पहले समझना जरूरी है कि यकायक वेनेजुएला पर हमले की वजह क्या है। वेनेजुएला के पास 303 अरब बैरल प्रमाणित तेल भंडार हैं। जो इस समय दुनिया में सबसे ज्यादा है, दुनिया के कुल तेल का यह 20 प्रतिशत है।

कुछ खास...

पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के विरुद्ध थे

तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के निर्माण का विरोध

करते हुए 17 से अधिक पत्र लिखे थे। राष्ट्रपति तथा कैबिनेट मंत्रियों को लिखे पत्रों में उन्होंने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की जरूरत पर प्रश्न उठाया था और उन्हें इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने से बहुत हतोत्साहित किया था। उन्होंने सरकारी संचार माध्यमों को निर्देश दिया कि समारोह की कवरेज कम से कम की जाए। उन्होंने भारतीय दूतावासों को भी निर्देश दिए कि वह सोमनाथ ट्रस्ट को सहायता प्रदान न करें। कुल मिलाकर इन पत्रों ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के विरोध तथा सहजता को प्रदर्शित किया। 21 अप्रैल 1951 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें आश्वस्त किया कि सोमनाथ के द्वारों को लेकर गढ़े जा रहे अख्यान पूरी तरह से गलत हैं और इस बात पर जोर दिया कि ऐसा कुछ नहीं हो रहा। 28 अप्रैल 1951 को भारत के तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री आर.आर. दिवाकर को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सूचना व प्रसारण मंत्रालय को सोमनाथ मंदिर के निर्माण संबंधी कवरेज बारे प्रचार को निम्नतम करने को कहा और कहा कि यह समारोह विश्व में भारत की छवि को क्षति पहुंचा रहा है। उन्होंने 2 मई 1951 को राज्यों के मुख्यमंत्रियों को 2 पत्र लिखे जिनमें उन्होंने अथाह जन समर्थन तथा अपने खुद के सहयोगियों की शमूलियत का सम्मान न करते हुए उनसे कहा कि भारत सरकार सोमनाथ मंदिर से संबंधित समारोहों से खुद को दूर रख रही है। 1 अगस्त 1951 को मुख्यमंत्रियों को लिखे अपने पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह को लेकर किए जा रहे जोरदार प्रचार को भारत की धर्मनिरपेक्ष की छवि को कमजोर करने वाला बताया और कहा कि इससे विदेशों में बहुत बुरा प्रभाव जा रहा है। पाकिस्तान के विद्वेषपूर्ण प्रोपेगंडा पर प्रश्न उठाने की बजाय उन्होंने तर्क दिया कि सोमनाथ का पुनघ्नर्माण भारत की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने 20 जुलाई 1950 को तत्कालीन केंद्रीय खाद्य एवं कृषि मंत्री के.एम. मुंशी को लिखे पत्र में प्रश्न उठाया कि सोमनाथ मंदिर का निर्माण क्यों किया जाना चाहिए, जबकि देश में आवासों की कमी है तथा आध्थक स्थिति खराब है। 13 जून 1951 को उप-राष्ट्रपति ड़ा. एस. राधाकृष्णन को लिखे अपने पत्र में उन्होंने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह को एक अनावश्यक कोलाहल बताया और स्वीकार किया कि उन्होंने कैबिनेट मंत्रियों को इसमें शामिल होने से रोकने का प्रयास किया था। 17 अप्रैल 1951 को चीन में भारत के राजदूत के.एम. पाणिक्कर को लिखे अपने पत्र में नेहरू ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने सोमनाथ मंदिर में राष्ट्रपति के दौरे के प्रभावों को कम करने का प्रयास किया था। तत्कालीन सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री यू.एन. धेबार को 21 अप्रैल 1951 को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर समारोह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे सरकारी फंड पर आपत्ति जताई तथा तर्क दिया कि मंदिर एक सरकारी मामला नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

मंडल रेल प्रबन्धक ने समपार फाटको पर कर्मचारियों की सजगता का मध्य रात्रि में किया औचक निरीक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, शीतकाल के मौसम में रेल संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल निरंतर सतर्क और सक्रिय है। लखनऊ. वूर्वोत्त्र रेलवे मंडल शीतकाल के इस मौसम में भी रेल संरक्षा एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए निरंतर सतर्क और रात-दिन सक्रिय है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर मंडल रेल प्रबन्धक गौरव अग्रवाल व उनकी टीम लगातार प्रयासरत है। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने रेल संरक्षा एवं कर्मचारियों की सजगता की जांच के लिए दिनांक 7/8 जनवरी की मध्यरात्रि में गोरखपुर- आनंद नगर रेल खण्ड के मध्य गेट संख्या 11-सी एवं 13- सी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गेटमैन की सतर्कता को जाँच और कर्मचारियों से सुरक्षित ट्रेन परिचालन के संबंध में बात की। जाँच के दौरान सभी गेटमैन ड्यूटी पर सतर्क पाए गए। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा इससे पूर्व दिनांक 6 /7 जनवरी को भी गोंडा -आनंद नगर के मध्य स्थित समपार संख्या 74-सी,69-सी, 68-सी एवं 66-सी का औचक रात्रि निरीक्षण कर गेटमैन की सतर्कता की जांच की गई थी। मंडल रेल प्रबन्धक ने कर्मचारियों को रेल संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए कर्मचारियों को रेल संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए तथा विशेष रूप से शीतकाल में कोहरे की स्थिति में अधिक सतर्कता बरतने पर बल दिया। उन्होने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल शीतकाल में निर्बाध एवं सुरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर निरीक्षण के दौरान अपर मण्डल रेल प्रबंधक (परिचालन) नीतू एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) गौरव गुप्ता भी उपस्थित थे।

चारबाग बस अड्डे पर निर्माण, जाम लगा,निर्माण कार्य के चलते चारों ओर से बंद हुआ बस अड्डा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के चारबाग रोडवेज बस अड्डा पर चल रहे निर्माण कार्य ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। बस अड्डे के चारों ओर रास्ते बंद कर दिए गए हैं, जिससे बसों के प्रवेश और निकास की व्यवस्था ठप हो गई है। हालात यह हैं कि बसों को मजबूरी में सड़क के दोनों किनारों पर खड़ा किया जा रहा है, जिसके कारण चारबाग और आसपास के इलाकों में भीषण जाम की स्थिति बन गई है। बस अड्डे के भीतर जगह न होने और रास्ते बंद होने के कारण रोडवेज बसें सीधे सड़क पर खड़ी की जा रही हैं। इससे न सिर्फ निजी वाहन बल्कि एम्बुलेंस, ऑटो और दोपहिया चालकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चारबाग रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले रास्तों पर भी वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे पूरे क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि चारबाग रोडवेज बस अड्डे को आधिकारिक तौर पर बंद किए जाने की बात सामने आ रही है, लेकिन इसकी जानकारी यात्रियों को नहीं दी गई। बस अड्डे पर न तो कोई नोटिस चस्पा किया गया है और न ही परिवहन विभाग की ओर से कोई लिखित आदेश सार्वजनिक किया गया है। ऐसे में यात्री रोज की तरह चारबाग पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां अव्यवस्था और भ्रम की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। बस अड्डा बंद होने के बावजूद रोडवेज बसों का चारबाग आना लगातार जारी रहा। एक के बाद एक बसें पहुंचने से सड़क पर बसों की कतार लग गई और जाम की स्थिति और गंभीर होती चली गई। कई बार तो वाहन चालकों को कुछ मीटर चलने में भी 20-30 मिनट तक का समय लग गया।

सगाई के बाद लड़की को ससुराल भेजा, जेवर लेकर भागी, सास ने बहू पर की एफआईआर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एक महिला ने जान-पहचान के लोगों पर साजिश के तहत जेवर चोरी करने और झूठे मुकदमे में फंसाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता के मुताबिक पूरी साजिश की शुरूआत बेटे की शादी के प्रस्ताव से हुई। जो बाद में बड़ी ठगी और डराने-धमकाने में बदल गई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। न्यू मुन्नू खेड़ा स्थित ग्रीन सिटी कॉलोनी में रहने वाली पूनम पांडेय ने बताया कि उनका परिचित विक्की गुप्ता, उसकी महिला मित्र साधना और साधना का बेटा प्रेम उनके घर आते-जाते थे। इसी दौरान इन लोगों ने साजिश के तहत उनके बेटे सचिन की शादी का प्रस्ताव रखा और एक पायल नाम की लड़की से मिलाया। आरोप है कि लड़की के बारे में बताया गया कि उसकी मां सौतेली है और पिता उस पर अत्याचार करता है। इसके बाद जल्दी सगाई करने का दबाव बनाया गया और पायल के साथ बेटे की सगाई कर दी गई। सगाई के करीब तीन महीने बाद आरोपी पायल को लेकर पीड़िता के घर पहुंचे और जान का खतरा बताते हुए उसे घर में रखने की बात कही। दबाव में आकर पीड़िता ने पायल को घर की ऊपरी मंजिल में बने कमरे में रहने दिया। इस दौरान पायल ने घर में रखे जेवर और कीमती सामान की जानकारी जुटा ली। 8 अगस्त 2025 को रक्षा बंधन पर जब पीड़िता अपने पति के साथ गोरखपुर गई। बेटा मुंबई में था, तब पायल घर में अकेली थी। इस दौरान पायल, विक्की, साधना और प्रेम ने मिलकर अलमारी में रखे पुश्तैनी सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। पीड़िता का कहना है कि 11 अगस्त को वापस लौटने के बाद पायल का व्यवहार अचानक उग्र हो गया। वह छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करने लगी और सगाई तोड़ने की धमकी देने लगी। जब पीड़िता ने अलमारी खोली तो सारा जेवर गायब मिला।

केजीबीवी और परिषदीय विद्यालयों में होंगे वार्षिकोत्सव-खेल उत्सव, 19.80 करोड़ जारी

लखनऊ (संवाददाता)। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के निर्देशन और नेतृत्व में प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा को पुस्तकों की सीमाओं से आगे ले जाकर संस्कार, संस्कृति, खेल और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विद्यालय प्रबंध समिति के सहयोग से जनवरी के अंत तक प्रदेश के 01 लाख 32 हजार से अधिक परिषदीय एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में वार्षिकोत्सव एवं खेल उत्सव का आयोजन किया जाएगा। बता दें कि इसमें एक लाख 31 हजार से अधिक परिषदीय विद्यालय तथा 746 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय शामिल हैं। ऐसे में यह कार्यक्रम राज्य के अब तक के सबसे बड़े शैक्षिक-सांस्कृतिक अभियानों में शामिल हो गया है।

यूपी में बेटियों को बड़ा तोहफा, दो बहनें पढ़ेंगी तो एक की पढ़ाई पूरी तरह मुफ्त

योगी सरकार की तैयारी से लाखों परिवारों को बड़ी राहत

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक नई और अहम पहल की तैयारी कर रही है। सरकार का प्लान है कि अगर किसी परिवार की दो सगी बेटियां एक ही स्कूल या कॉलेज में पढ़ रही हैं, तो दूसरी बेटी की ट्यूशन फीस मुफ्त कर दी जाए। इस योजना के तहत निजी और सरकारी, दोनों तरह के शैक्षणिक संस्थानों को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग को इस योजना की पूरी प्रक्रिया और शर्तें तय करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कोविड महामारी के दौरान प्रभावित परिवारों के बच्चों की मदद के लिए योगी सरकार ने पहले मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना शुरू की थी। उसी दौरान मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिए थे कि

अगर किसी स्कूल, कॉलेज या निजी शैक्षणिक संस्था में दो सगी बहनें पढ़ रही हों, तो संस्थान से अपील की जाए कि वह एक बच्ची की ट्यूशन फीस माफ करे। अगर कोई निजी स्कूल या कॉलेज ऐसा करने से मना करता है, तो सरकार खुद उस छात्रा की फीस की प्रतिपूर्ति करेगी। उस समय इस योजना के लिए सर्वे भी शुरू हुआ था, लेकिन चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण इस पर रोक लग गई थी। अब एक बार फिर इस योजना को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शासन के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों में पहले से ही लड़कियों की पढ़ाई मुफ्त है। इसके अलावा कोविड से प्रभावित परिवारों के बच्चों के लिए अलग योजनाएं, शिक्षा का अधिकार (आरटीई) और स्कॉलरशिप व फीस प्रतिपूर्ति जैसी कई योजनाएं पहले से चल रही हैं। इन योजनाओं के जरिए अधिकतर छात्राएं कवर हो जाती हैं, लेकिन जो लड़कियां किसी कारण से इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रही हैं, खासकर निजी स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाली जरूरतमंद छात्राएं, उन्हें इस नई योजना के तहत प्राथमिकता दी जाएगी। पिछले महीने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री की इस घोषणा को लागू करने की रणनीति पर चर्चा की थी। बैठक में तय किया गया कि अलग-अलग शिक्षा विभाग होने के कारण एक नोडल विभाग और सिंगल विंडो सिस्टम बनाया जाए, ताकि योजना का लाभ सही तरीके से मिल सके। इस योजना के लिए महिला कल्याण विभाग को नोडल विभाग बनाए जाने का प्रस्ताव उच्च स्तर पर भेजा गया है। नोडल विभाग आय सीमा, पात्रता, शर्तें, बजट और लाभार्थियों की पहचान को लेकर रिपोर्ट तैयार करेगा। इसके बाद योजना को अंतिम रूप देकर लागू किया जाएगा।

अखिलेश ने पीडीए समाज से की वोट बचाने की अपील

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए समाज (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि वोटर लिस्ट से नाम काटे जाने की साजिश को हर हाल में नाकाम किया जाए। उन्होंने कहा कि तमाम प्रयासों के बावजूद पीडीए समाज के करोड़ों मतदाताओं के नाम अब तक मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं, जो लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों पर सीधा हमला है। अखिलेश यादव ने पीडीए प्रहरी से हर बूथ पर गहन जांच-पड़ताल करने का आान करते हुए कहा कि एक भी वोट न कटने पाए, एक भी वोट न घटने पाए के संकल्प के साथ सभी को फिर से संगठित होना होगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम होना नागरिक होने की पहचान है। अगर किसी का नाम वोटर लिस्ट से हटता है तो आने वाले समय में उसी आधार पर राशन कार्ड, सरकारी योजनाओं, जाति प्रमाणपत्र, आरक्षण, नौकरी, बैंक खाते, बीमा, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बिजली-पानी कनेक्शन, खेत-जमीन और घर-मकान तक पर संकट आ सकता है। सपा अध्यक्ष ने आशंका जताई कि सत्ता में बैठी भाजपा सरकार चुनावी लाभ के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने कहा कि जो सरकार निर्विरोध चुनाव कराने का खेल खेल सकती है, वह वोट काटने की साजिश भी कर सकती है। चुनाव जीतकर सत्ता में आना और फिर भ्रष्टाचार के जरिए जल-जंगल-जमीन पर कब्जा करना ही उनका उद्देश्य है। यादव ने कहा कि पीडीए समाज को यह समझना होगा कि जब हमारे पास वोट डालने का अधिकार है, तब भी उत्पीड़न हो रहा है। यदि यह अधिकार ही छीन लिया गया तो हालात और भयावह होंगे।सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि वर्चस्ववादी ताकतें संविधान को कमजोर करना चाहती हैं, जबकि संविधान ही गरीब, शोषित और वंचित वर्गों की ढाल है। उन्होंने पीडीए समाज के हर सदस्य से अपील की कि वह सजग रहे, अपना वोट जरूर बनवाए और दूसरों को भी जागरूक करे। उन्होंने कहा कि वोट बचाने का मतलब संविधान, आरक्षण, नौकरी और भविष्य को बचाना है।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत पत्रकार की पत्नी एवं बच्चों को दी 5 लाख रुपए की चेक

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में दिवंगत पत्रकार विवेक कुमार अस्थाना की पत्नी निहारिका अस्थाना एवं बच्चे दिव्य अस्थाना व देव अस्थाना को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने मृतक के शोक सन्तप्त परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदना प्रकट की और ढांढस बंधाया। इस अवसर पर विधायक प्रदीप शुक्ला, विधान परिषद सदस्य डॉ धर्मेन्द्र सिंह, गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब के अध्यक्ष रितेश मिश्र एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दुद्धी से सपा विधायक विजय सिंह गोंड का निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में दुद्धी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ के संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। संस्थान की जनसंपर्क अधिकारी कुसुम यादव के मुताबिक, मल्टी आर्गन फेल्योर के चलते विधायक की मृत्यु हुई है। उनके निधन की सूचना मिलते ही सोनभद्र सहित आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई है। दुद्धी विधानसभा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित और आदिवासी बहुल क्षेत्र है। विजय सिंह गोंड को आदिवासी राजनीति का शिपतामहश माना जाता था। उन्होंने इस क्षेत्र का सात बार विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया और आदिवासी समाज की समस्याओं को मजबूती से सदन तक पहुंचाया। वर्ष 2024 के उपचुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी श्रवण गोंड को 3160 मतों से पराजित कर सीट अपने नाम की थी। इससे पहले 2022 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने दुद्धी से रामदुलार गोंड को 6297 मतों के अंतर से हराया था। वह सपा सरकार में मंत्री भी रहे और संगठन में उनका खासा प्रभाव था। विजय सिंह गोंड का राजनीतिक जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने बेहद सीमित संसाधनों से राजनीति की शुरूआत की। वर्ष 1979 में वे वनवासी सेवा आश्रम में मात्र 200 रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत थे, उसी दौरान कांग्रेस के टिकट पर पहली बार विधानसभा पहुंचे। आदिवासी हितों के लिए उनकी प्रतिबद्धता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुद्धी और ओबरा विधानसभा को अनुसूचित जनजाति सीट घोषित कराने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी।

Our Program Partner's

ICON

Our Program Partner's

Our Program Partner's

ICON AWARDS
OUR PROGRAM PARTNERS

Our Program Partner's

Our Program Partner's

News | Digital Channel | OTT

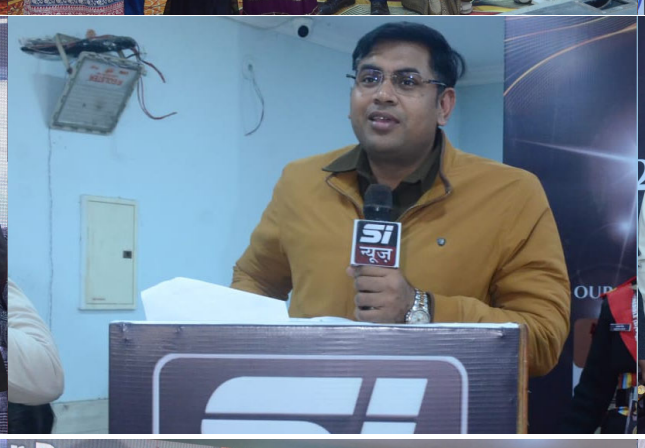

r Program Partner's

Our Program Partner's

Our Program Partner's

Our Program Partner's

Our Program Partner's

Our Program Partner's

Our Program Partner's

Our Program Partner's

SWADESHI INCREDIBLE (S I) NE
News Paper | E-News | Digital Channel | OTT
ON AWARDS

Our Program Partner's

Our Program Partner's
SI News Icon Awards 2026

Our Program Partner's
Our Program Partner's

एस आई न्यूज आइकन अवार्ड्स 2026: गोरखपुर के लोकल हीरोज और पत्रकार हुए सम्मानित

गोरखपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एस आई न्यूज आइकन अवाड्र्स 2026 का भव्य आयोजन 9 जनवरी 2026 को प्रातः 11:30 बजे चित्रगुप्त सभागार, बाक्सीपुर, गोरखपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके उपरांत गोरखपुर के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए शहीदों को नमन किया गया, तत्पश्चात सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस गरिमामय आयोजन में गोरखपुर के कई प्रतिष्ठित शासकीय एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान गोरखपुर के उन लोकल हीरोज को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर शहर का नाम रोशन किया है। साथ ही गोरखपुर एवं प्रदेश के विभिन्न समाचार चैनलों एवं मीडिया संस्थानों से जुड़े उन पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने एस आई न्यूज के पत्रकारों को फील्ड में सहयोग देते हुए निष्पक्ष एवं उत्कृष्ट पत्रकारिता की। स्वदेशी इनक्रेडिबल (एस आई) न्यूज के संपादक इंजीनियर शक्ति शंकर ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन पूरी तरह से गोरखपुर के हीरोज को समर्पित रहा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित गोरखपुरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शहरवासियों की सहभागिता से आयोजन और अधिक सफल एवं यादगार बन सका। संपादक ने गोरखपुर के सभी समाचार चैनलों, अखबारों के पत्रकारों एवं संपादकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सभी पत्रकारों के सहयोग और समर्थन से यह आयोजन भव्य रूप में संपन्न हो सका। कार्यक्रम में डीडीयू विश्वविद्यालय की कुलपति, पूर्व महापौर डॉ. सत्या पांडेय, गोरखपुर जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नाकर सिंह, कोतवाली थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह, कला एवं सांस्कृतिक अतिथि राकेश श्रीवास्तव एवं नरेंद्र मिसिर, वरिष्ठ समाजसेवी एवं उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल उपाध्यक्ष पुष्पदंत जैन, समाजसेविकाएं पूजा गुप्ता एवं शांति भवानी यादव, नगर निगम सभापति पवन कुमार त्रिपाठी, पार्षद रंजुला रावत एवं राधेश्याम रावत, साइबर एस आई उपेन्द्र सिंह, अजहरुद्दीन अंसारी, धीरज गुप्ता, मनप्रीत कौर, प्रदीप गोंड, बलराम सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने एस आई न्यूज द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शहर के लोकल हीरोज, पत्रकारों एवं समाज में सकारात्मक योगदान देने वाले लोगों को प्रोत्साहित करते हैं और गोरखपुर की पहचान को और अधिक सशक्त बनाते हैं।

SI News Icon Awards 2026: Gorakhpur's Local Heroes and Journalists Honoured

Gorakhpur: As in previous years, the grand SI News Icon Awards 2026 ceremony was successfully held on 9 January 2026 at 11:30 AM at Chitragupt Auditorium, Baksipur, Gorakhpur. The programme began with the ceremonial lighting of the lamp. This was followed by a tribute to the martyrs while highlighting the glorious history of Gorakhpur, after which the award ceremony took place amid vibrant cultural performances."The prestigious event witnessed the presence of several eminent administrative and government officials of Gorakhpur. During the ceremony, local heroes of Gorakhpur, who have made outstanding contributions in their respective fields and brought pride to the city, were honoured. Journalists from Gorakhpur and across the state, associated with various news channels and media organisations, were also felicitated for their impartial and commendable journalism and for extending field-level support to SI News journalists."Addressing the gathering, Engineer Shakti Shankar, Editor of Swadeshi Incredible (SI) News, stated that the event was completely dedicated to the heroes of Gorakhpur. He expressed his gratitude to the citizens of Gorakhpur and said that their enthusiastic participation made the programme more successful and memorable."The editor also thanked journalists and editors from various news channels and newspapers of Gorakhpur, acknowledging that the cooperation and support of the media fraternity played a vital role in the grand success of the event."The programme was graced by the esteemed presence of the Vice-Chancellor of DDU University, former Mayor Dr. Satya Pandey, Ratnakar Singh, President of Gorakhpur Journalist Association, Chhatrapal Singh, In-charge of Kotwali Police Station, cultural guests Rakesh Srivastava and Narendra Misir, senior social worker and Vice President of Uttar Pradesh Vyapar Mandal Pushpadant Jain, social activists Pooja Gupta and Shanti Bhawani Yadav, Municipal Corporation Chairman Pawan Kumar Tripathi, Councillors Ranjula Rawat and Radheshyam Rawat, Cyber SI Upendra Singh, Ajharuddin Ansari, Dheeraj Gupta, Manpreet Kaur, Pradeep Gond, Balram Singh, along with many other distinguished guests."The guests appreciated the initiative taken by SI News and remarked that such award ceremonies encourage local heroes, journalists, and individuals contributing positively to society, while also strengthening the identity and pride of Gorakhpur.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद-गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला-द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद-गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।